

५

ଅନ୍ତର୍ଜାଲ ଅନ୍ତର୍ଜାଲ

५०

藏文

ଅପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ

۲۷

ऐक्षु के चुप्पो सुने त्रै दूर धृष्णु अनुवारी त्रै दूर तिर्यक् असं मूर्दि वह उपायं

51

ଓঁ শুভ হিন্দু পুরাণ